

(২০৮)

আসিবে বলিয়া গিয়াছে চলিয়া
বাঁধুয়া কিরিয়া এলো না আজও
বলে গেছে মোরে বীণার ঝঙ্কারে
সরলকে হেরে বক্রকে ত্যজো ॥

লক্ষ্যকে ভুলে চলেছি নানা পথে
চলিনি আলোবরা সামনে সোজা পথে
মোহেরই হাতছানি নিয়ে গেছে টানি
ভুলায়ে সার বাণী সত্যকে ধোঁজো ॥

আজ চারিদিকে হায় আলো ঝলকায়
মোরে কয়ে যায় তুমি কাছেই রাজো ॥

(রঁচী, ১৬ই জানুয়ারী, ১৯৮৩)

তাল : ত্রিতাল ‘গজল’

I -+ গা গা ধা | পা ক্ষা পা -+ I ক্ষা ক্ষা -+ রা | গা মা গা -+ I
o আ সি বে ব লি যা o গি যা o ছে চ লি যা o

I { রা রা -+ রা | রা গা ন্ম সা | -+ গা গা রা | গা মা গা গা }[
ব ধু o যা ফি রি যা o o এ লো না আ o জ ও

I -+ গা গা ধা | পা ক্ষা পা পা | ক্ষা ক্ষা -+ রা | গা মা গা গা I
o ব লে গে ছে o মো রে বী ণা o র ঝঁ কা রে

I { রা রা রা রা | গা রা ন্ম সা | -+ গা গা রা | গা মা গা গা }[
o স র ল কে o হে রে o ব ক ক্র কে o ত্য জো

I -+ पा पा पा | पा -+ पा सा I -+ सा सा सा | सा सा सा सा I
० ल क क्ष्य के ० तु ले ० च ले छि ना ना पथे

I { -+ सा रा रा | रा रा रा गा I रा रा प्पा पा | मा मा गा गा }I
० च लि नि आ लो झ रा ० सा मने सो मा पथे

I -+ गा गा धा | पा क्षा पा पा | -+ क्षा क्षा रा | गा मा गा गा I
० मो हे रि हा त्तु छि नि ० नि ये गे छे ० टा नि

I { -+ रा रा रा | रा गा ना सा | -+ गा गा रा | गा मा गा गा }I
० तु ला ये सा र वा जी ० स त त्य के ० थे ज

गा गा I -+ गा गा धा | पा क्षा पा पा | -+ क्षा क्षा रा | गा मा गा -+ I
आ झ ० चा रि दि के ० हा य ० आ लो झ ल ० का य

I { -+ रा रा रा | गा रा ना सा | -+ गा गा रा | गा मा गा गा }I
० मो रे क ये ० या य ० तु मि का छे ० रा जो